e-ISSN: 2348-6848
p-ISSN: 2348-795X
Volume 05 Issue 05
March 2018

भारत में 2014 के लोकसभा चुनाव के बाद भारतीय जनता पार्टी का बढ़ता जनाधार

Dr. Jagbir Singh
Assistant Professor
Department of Political Science
Govt. College, Julana (HR.)
E-mail: jagbirkundu22@gmail.com

शोध आलेख सार– वस्तुतः भारतीय लोकतंत्र के इतिहास में वर्ष 2014 के लोकसभा चुनाव के परिणाम भारतीय दलीय व्यवस्था तथा संसदीय प्रणाली की दृष्टि से काफी महत्वपूर्ण माने जाते हैं। यह प्रथम अवसर था जब 1989 के बाद कोई राष्ट्रीय दल अकेला बहुमत के आंकड़े को पार कर गया और सरकार निर्माण में सफलता प्राप्त की। इस चुनाव में भारतीय जनता पार्टी गठबंधन 336 तथा अकेले भारतीय जनता पार्टी 282 सीटें जीतने में सफल रही। परन्तु वर्ष 2015 में दिल्ली तथा बिहार में हुए विधानसभा चुनाव में पार्टी को गहरा झटका लगा, जो राजनैतिक विद्वानों के लिए वाद–विवाद का विषय बन गया। लेकिन धीरे–धीरे अन्य राज्यों में भारतीय जनता पार्टी ने अपना जनाधार मजबूत किया और मार्च 2018 में 20 से अधिक राज्यों में भारतीय जनता पार्टी की अकेले या गठबंधन के साथ सरकारें बन चुकी हैं। अभी हाल ही में हुए पूर्वोत्तर के तीन राज्यों के विधानसभा चुनाव के परिणामों ने पार्टी के जनाधार में नई जान डाल दी है और अब भारतीय जनता पार्टी को अपना भविष्य अधिक सुरक्षित दिखाई देने लग गया है। प्रस्तुत शोध पत्र में वर्ष 2014 के बाद भारत में राज्यों की राजनीति के सन्दर्भ में बढ़ते जनाधार का विश्लेषण किया गया है और इसके भविष्य का भी आकंलन किया गया है।

मूलशब्द– संसदीय लोकतंत्र, आम चुनाव, विधानसभा चुनाव, राज्यों की राजनीति, जनाधार, गठबंधन, वामदल, लोकसभा चुनाव, पूर्वोत्तर की राजनीति।

भूमिका– यदि भारत के राजनैतिक इतिहास का विश्लेषण किया जाये तो यह बात स्पष्ट होती है कि देश में लम्बे समय तक कांग्रेस पार्टी का शासन रहा है। लेकिन इसका अर्थ यह नही है कि देश में अन्य राजनैतिक दलों का अस्तित्व नहीं था। पहले